केस स्टडी

नाम :– जमील शाह

पिता :– स्वर्ग रज्जाक साह

ग्राम :– धवेली

वार्ड नं0 :– 1

पंचायत :– धवेली

उम्र :– 60 वर्ष

जॉब कार्ड नं0 :– 206

बी0 पी0 एल0 नं0 :– 2732/668

मैं मो0 जमील शाह किशंनगंज जिले के एक प्रखण्ड टेढ़ा गाछ के छोटे से पंचायत धवेली के रहने वाला हुॅ। मैं बहुत ही गरीब परिवार से आता हुॅ । मेरे पास न रहने की जगह है और ना ही कोई सहारा है मेरे छोटे–छोटे बच्चे है जिनकी परवरी भी मुझे ही करनी है । मेरे पास रोजगार का कोई साधन नही है । और ना ही मैं ढ़ंग का कोई काम कर सकता हुॅ मै वैसाखी के सहारे चलता हुॅ मेरा वाया पैर टुटा हुआ है मेरी उम्र 60 वर्ष की हो गई है लेकिन अभी तक मुझे वृधा पेंशन नही मिलता है कई बार पंचायत स्तर पर आवेदन किया पर कोई सुनवाई नही हुई । जैसा की मैने पहले भी कहा की मेरे पास रहने की जगह नही है तभी मुझे इन्द्रावास का लाभ नही मिला है मै बी0 पी0 एल0 परिवार से आता हुॅ ।मुझे बी0 पी0 एल0 के तहत 6 माह पर एक बार जन वितरण प्राणली के तहत अनाज मिलता है । इसके अलावा कोई सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिलता है । मैने कई बार प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी को इंद्रावास और वृधा पेंशन के लिए अवेदन भी दिया मगर कोई लाभ अभी तक नही मिला और ना ही प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी इस सम्बंध में कोई जानकारी उपल्ब्ध कराते है ।

नाम :– मरजीना बैगम

ग्राम :– फुलवाड़ी

पोस्ट :– थिरानीगंज

वार्ड नं0 :– 7

पंचायत :– भोरहा

प्रखण्ड :– टेढ़ा गाछ

जिला :– किशंनगंज, बिहार

मैं मरजीना बेगम किशंनगंज जिले के एक प्रखण्ड टेढ़ागाछ के छोटे से पंचायत भेरहा के रहने वाली हुॅ। मैं बहुत ही गरीब परिवार से आती हुॅ । मेरे पति का स्वर्ग सब्बीर आलम थे । शादी के कुछ ही दिनों बाद मेरे पति की मृत्यु हो गया । मेरी कोइ औलाद नही है मै एक दम अकेली हुॅ । पति के मृत्यु के मैं अपने पिता के घर में रहने लगी । पति के गुजरे कुछ ही समय बिता था कि मेरे माता–पिता भी दुनिया से चल बसे अब कोई सहारा नही रहा एक छोटा भाई था । मैं बैसारा हो गई एक अकेली औरत होने के कारण मुझे कई प्रकार के ताने का सामना करना पड़ता था ।किसी तरह से मेहनत मजदुरी करके अपना और अपने छोटे भाई के साथ जीवन यापन करती है मैंने कई बार मुखिया को विधवा पेंशन और इंद्रवास का आवेदन दिया दिया मगर अभी तक कोई सुनवाई नही हुई मैं बी0 पी0 एल0 परिवार से हुॅ मगर अभी तक मुझे ऐसे कोई भी सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिला रहा है जिससे की थोड़ी मदद मिल सके । मैंने बी0 डी0 ओ0 को भी कई बार आवेदन दिया है मगर कोई सुनवाई अभी तक नही हुई है ।

नाम :– रहीला बेगम

पति :– अमीरउद्धीन

ग्राम :– फुलवाड़ी

वार्ड नं0 :– 7

पंचायत :– भोरहा

प्रखण्ड :– टेढ़ा गाछ

जिला :– किशंनगंज, बिहार

मैं रहीला बेगम किशंनगंज जिले के एक प्रखण्ड टेढ़ागाछ के छोटे से पंचायत भेरहा के रहने वाली हुॅ। मैं बहुत ही गरीब परिवार से आती हुॅ मेरे पति का नाम अमीरउद्धीन है मेरा पुरा घर माल मवेशी बाढ़ में कटाअ हो गया लेकिन अभी तक प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी को आवेदन देने के बाद भी कोई सहयोग नही मिला है ।नदी के कटाअ के कारण जमीन घर बनाने के लिए उपयोगी नही है । दुसरे के जमीन पर गुजारा करना पड़ रहा है अब जिनका जमीन है वो हमें खाली करने बोल रहे है ।मेरा बी0 पी0 एल0 भी है लेकिन कोई सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिलता है । बस साल में एक बार नाम मात्र कुछ राशन मिलता है अभी तक एक बार भी मेरे परिवार को कोई भी सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिला है । कई बार प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी एवं पंचायत के मुखिया को आवेदन दिया लेकिन कोई सुनवाई नही हुई और ना ही इसके बारे में सही जानकारी देते है बस टालते रहते है ।

नाम :– नरजहॉ बैगम

पिता :– महबुब आलम

ग्राम :– सरतीकमाता

वार्ड नं0 :– 10

पंचायत :– धवैली

प्रखण्ड :– टेढ़ा गाछ

जिला :– किशंनगंज, बिहार

नरजहॉ बैगम पिता महबुब आलम ग्राम सरतीकमाता पंचायत धवैली प्रखण्ड टेढ़ागाछ वार्ड नं0 :– 10 जिला किशंनगंज, बिहार की निवासी हुॅ मेरे शादी के 5 वर्ष के बाद कमाने के लिए गये और वही पर दुसरी शादी करके दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहने लगे बहुत कोशिश करने के बाद भी वह यहा आना नही चाहते मुझे 1 लड़का भी है उसको लेकर में अपने पिता महबुब आलम के यहा आ गई । और किसी तरह मेहनत मजदुरी करके अपना जीवन व्यतित करने लगी ।

मेरे पति मुझे छोड़े हुए 12 साल होगया है । अभी तक जीवन भरन पोषण कोई सहारा नही है । मेरा बेटा अभी 10 साल का है फिर भी किसी होटल दुकान में काम करता है और 2–4 पैसे भेजता है मैं भी दुसरे के घरों में खेतों में मजदुरी करके जीवन व्यतित करती हुॅ मुझे सरकारी योजनाओं से कोई लाभ नही मिला है। मेरा अंतोदय होना चाहिए तो मुझे बी0 पी0 ए0 में किया गया है । और बी0 पी0 ए0 के अंतरगत सही समय पर जनवितरण प्रणाली राशन नही देता है । और ना ही वृधा पेंशन मिलाता है । कई बार प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी एवं पंचायत के मुखिया को आवेदन दिया लेकिन अभी तक स्वीकृति नही किया गया है। नरेगा के द्वारा लेबर कार्ड का आवेदन दिया है कुछ दिनों के बाद जॉब कार्ड बन जाएगा प्रखण्ड एवं पंचायत के मुखिया के द्वारा मेरे नाम से पास किया गया । इंद्रावास घुस लेकर परोस के दुसरे व्यक्ति को दे दिया गया । इसके लिए हमने प्रखण्ड के बी0 पी0 ए0 एवं पंचायत सचिव के पास शिकायत दर्ज करने के बाद उन्होने अश्वासन दिया की आपको अगली बार सबसे पहले दिया जायेगा ।

केस स्टडी

मनरेगा के तहत जरूरत मन्द व्यक्तियों जॉब कार्ड नही रहने के कारण मजदुरी को काम करने के लिए नही दिया जा रहा था । इसी बीच मौलिक अधिकार लोक मंच रामपुर इजाद के क्षेत्रिय कार्यकर्ता द्वारा धवेली पंचायत के कमाती सरती कमाती खारहीवस्ती, विहावाड़ी धवेली एवं लोघावाड़ी के 60 मजदूरो का जॉब कार्ड बनाकर दिया गया और काम में लगाया गया । और सभी योजनाओं में 60 मजदुर काम कर रहे है । और सभी जॉब कार्ड धारियों का काम एवं नाम जॉब कार्ड न0 निम्नलिखित है ।